तुम ही हो मेरी हीरो

बच्चे COVID-19 से कैसे लड़ सकते हैं!

April 2020

Acknowledgement

UNICEF has adapted the *Tum hi meri hero* book from the original English edition of “My Hero is You: How Kids Can Fight COVID-19!” brought out by the Inter-Agency Standing Committee in April 2020. UNICEF gratefully acknowledges the source material, courtesy IASC.

This translation/adaptation was not created by the Inter-Agency Standing Committee (IASC). The IASC is not responsible for the content or accuracy of this translation. The original English edition “Inter-Agency Standing Committee. My Hero is You: How Kids Can Fight COVID-19! Licence: CC BY-NC-SA 3.0 IGO shall be the binding and authentic edition.

For more information, please contact:

C4D Specialist/Child Protection Specialist

United Nations Children’s Fund
UNICEF House, 73 Lodi Estate, New Delhi,
Tel: + 91 11 2469-0401
www.unicef.in

आभार

यूनिसेफ द्वारा *"तुम ही हो मेरी हीरो"* पुस्तक को "माई हीरो इज यू" हाउ किड्स कैन फाइट कोविड –19!'' के मूल अंग्रेजी संस्करण से रूपांतरित किया गया है। इसे अप्रैल 2020 में इंटर–एजेंसी स्टैंडिंग कमेटी द्वारा प्रस्तुत किया गया है। IASC द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री के लिए यूनिसेफ आभार व्यक्त करता है।

इसका अनुवाद इंटर–एजेंसी स्टैंडिंग कमेटी (IASC) द्वारा नहीं किया गया था। IASC इस अनुवाद की विषयवस्तु या सटीकता के लिए जिम्मेदार नहीं है।

इस हेतु मूल अंग्रेजी संस्करण "इंटर–एजेंसी स्टैंडिंग कमेटी", माई हीरो इज यू: हाउ किड्स कैन फाइट कोविड–19!
लाइसेंसः CC BY-NC-SA 3-0 IGO ही प्रामाणिक संस्करण होगा।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

सी4डी स्पेशलिस्ट/चाइल्ड प्रोटेक्शन स्पेशलिस्ट

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष
यूनिसेफ हाउस, 73 लोदी एस्टेट, नई दिल्ली
दूरभाषः 91 11 2469–0401
वेब साईट www.unicef.in

तुम ही हो मेरी हीरो

बच्चे COVID-19 से
कैसे लड़ सकते हैं!

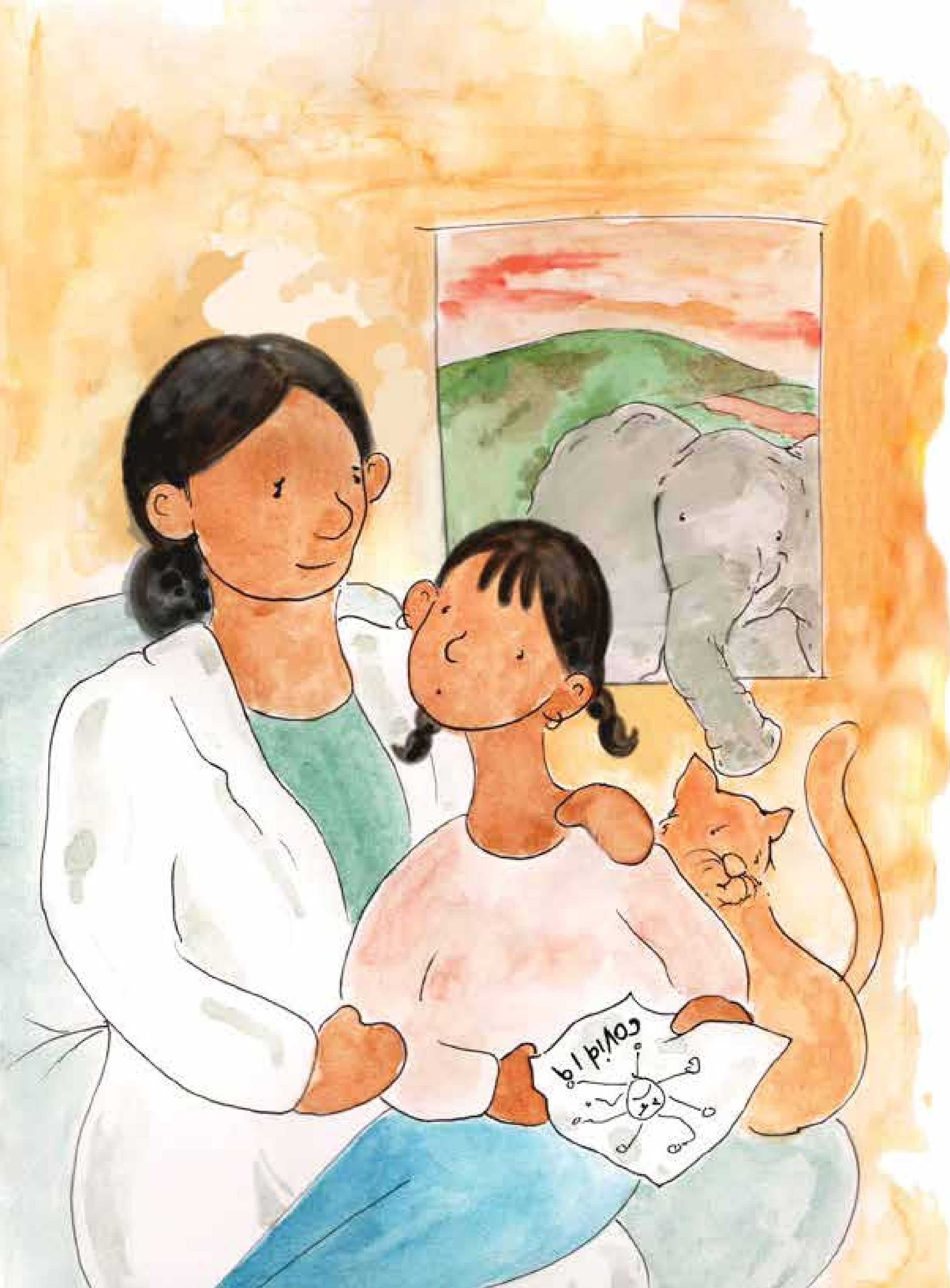

सारा की मां उसकी हीरो है क्योंकि वह दुनिया की सबसे अच्छी मां और सबसे अच्छी वैज्ञानिक है। लेकिन सारा की मां को अभी तक कोरोनावायरस का इलाज नहीं मिल पाया है।

"COVID-19 कैसा दिखता है?" सारा ने मां से पूछा।

सारा की मां ने जवाब देते हुए कहा, "COVID-19, या कोरोनावायरस, इतना छोटा है कि हम इसे नहीं देख सकते हैं, "लेकिन यह उन लोगों के खांसने और छींकने से फैलता है जो बीमार हैं। जब वे लोगों या उनके आस–पास की चीजों को छूते हैं, तो यह बीमारी दूसरों में भी फैल जाती है। जो लोग बीमार हैं उन्हें बुखार और खांसी आती है और सांस लेने में कुछ परेशानी हो सकती है।"

"क्योंकि हम इसे देख नहीं सकते, इसलिए हम इससे नहीं लड़ सकते?" सारा ने पूछा।

सारा की मां ने कहा, "हम इससे लड़ सकते हैं," इसीलिए मुझे तुमको सुरक्षित रखने की आवश्यकता है। वायरस कई तरह के लोगों को प्रभावित करता है, और हर कोई इससे लड़ने में हमारी मदद कर सकता है। बच्चे विशेष रूप से हमारी मदद कर सकते हैं। तुम्हें हम सभी के लिए सुरक्षित रहने की जरूरत है। तुम्हें मेरा हीरो बनना है।"

सारा उस रात बिस्तर पर लेटी थी और बिल्कुल भी हीरो की तरह महसूस नहीं कर रही थी। उसे अटपटा लग रहा था। वह स्कूल जाना चाहती थी लेकिन उसका स्कूल बंद था। वह अपने दोस्तों को देखना चाहती थी लेकिन यह सुरक्षित नहीं था। सारा चाहती थी कि कोरोनावायरस उसकी दुनिया को डराना बंद करे।

"हीरो के पास सुपर–पॉवर है" पर "मेरे पास क्या है?" सारा ने अपनी आँखें बंद करके सोते हुए खुद से कहा।

अचानक एक कोमल आवाज़ ने अंधेरे में उसका नाम फुसफुसाया।

"वहां कौन है?" सारा भी धीरे से फुसफुसाई।

"तुमको हीरो बनने के लिए क्या चाहिए, सारा?" उस आवाज़ ने उससे पूछा।

"मुझे दुनिया में सभी बच्चों को यह बताने का तरीका चाहिए कि वे अपनी सुरक्षा कैसे करें ताकि वे बाकी बच्चों और सभी बड़ों की रक्षा कर सकें..." सारा ने कहा।

"तो तुम्हें मुझसे क्या चाहिए?" आवाज़ ने पूछा।

सारा ने कहा "मुझे ऐसा कुछ चाहिए जो उड़ सकता है... एक तेज आवाज़ के साथ कुछ... और कुछ ऐसा जो सबकी मदद कर सकता है!"

चांदनी रोशनी में एक आवाज़ के साथ, कुछ अद्भुत सा दिखा...

"तुम कौन हो?" सारा ने आश्चर्य से पूछा।

"मैं बल्लू हूं" उसने जवाब दिया।

सारा ने कहा, "मैंने पहले कभी बल्लू नहीं देखा है"।

"ठीक है, मैं यहां सब के साथ रहता हूं।" बल्लू ने कहा। "मैं तुम्हारे दिल में रहता हूं और वहीं से आया हूं।"

सारा ने कहा, "अगर मेरे पास तुम हो... तो मैं दुनिया के सभी बच्चों को कोरोनावायरस के बारे में बता सकती हूं!" "मैं एक हीरो बन सकती हूं! लेकिन रुको बल्लू, क्या कोरोनावायरस के साथ यात्रा करना सुरक्षित है?"

"केवल मेरे साथ सारा," बल्लू ने कहा। "जब हम एक साथ हैं तो तुमको कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकता है।"

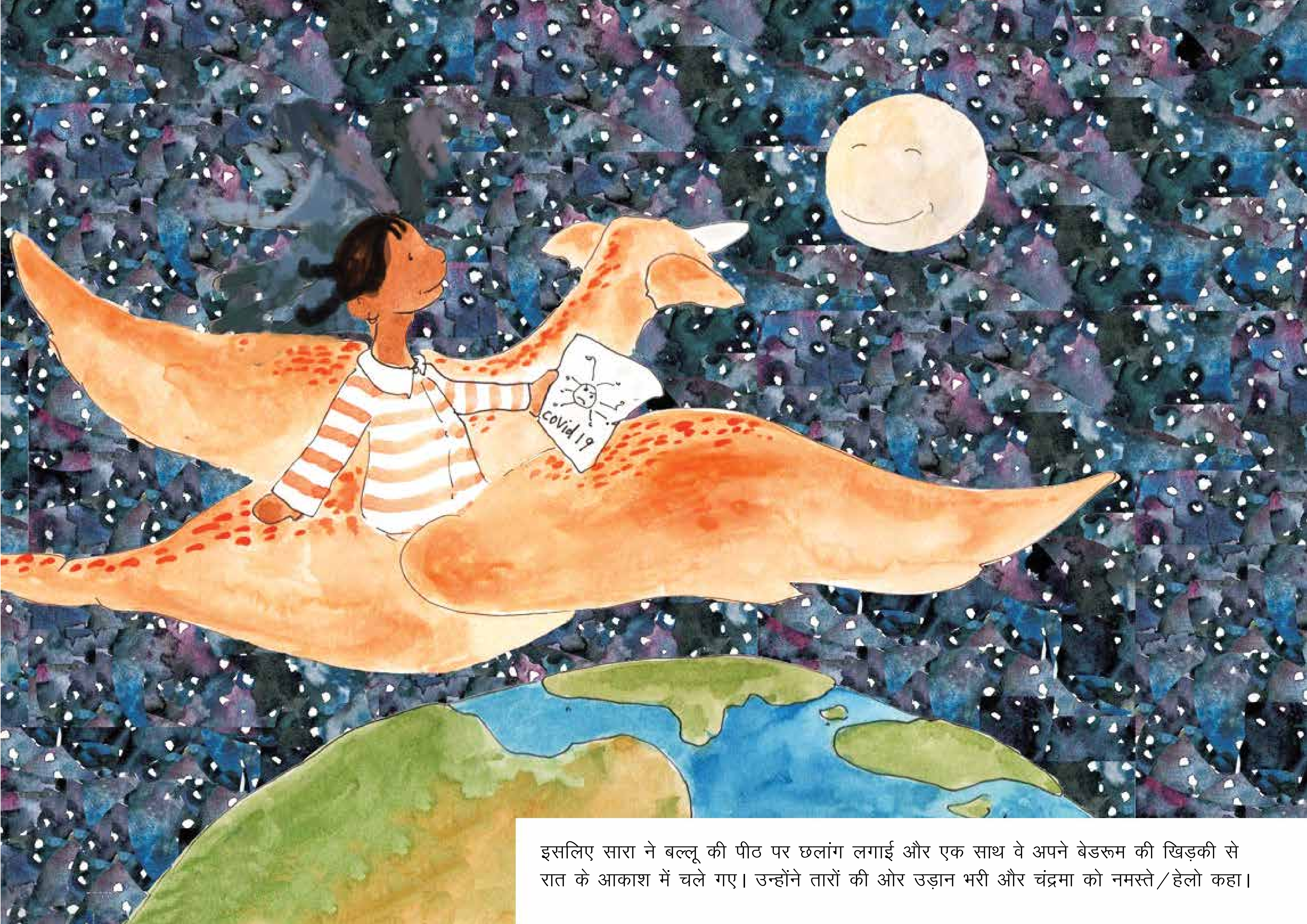

इसलिए सारा ने बल्लू की पीठ पर छलांग लगाई और एक साथ वे अपने बेडरूम की खिड़की से रात के आकाश में चले गए। उन्होंने तारों की ओर उड़ान भरी और चंद्रमा को नमस्ते/हेलो कहा।

जैसे ही सूरज उगा, वे राजस्थान में रेत से बने टीलों के एक प्यारे रेगिस्तान में उतरे, जहां कुछ बच्चों का एक छोटा समूह दूर–दूर होकर खेल रहा था। बच्चे खुशी में चिल्लाए और सारा और उसके बल्लू को देखकर अपने हाथ लहराने लगे।

"तुम्हारा स्वागत है, मैं सलीम हूं!" उन बच्चों में से एक लड़का चिल्लाया। "तुम लोग यहां क्या कर रहे हो? माफ करें, हम करीब नहीं आ सकते, हमें कम से कम एक मीटर दूर रहना होगा!"

"इसी वजह से हम यहां हैं!" सारा ने जवाब दिया। "मैं सारा हूं और यह बल्लू है। क्या तुमको पता है कि बच्चे अपने पड़ोसियों, दोस्तों, माता–पिता और दादा–दादी को कोरोनावायरस से सुरक्षित रख सकते हैं? हम सभी को जरूरत है..."

"साबुन और पानी से कम से कम 20 सेकंड तक अपने हाथ को बार–बार धोना!'' एक मुस्कान के साथ सलीम ने कहा। "हम जानते हैं, सारा। अगर हम बीमार हों – तो हम अपनी कोहनी में खांसें और हम जब लोगों से मिलें तो हाथ मिलाने की बजाय नमस्ते करें या सिर्फ हाथ हिलाकर अभिवादन कर दें। हम अंदर रहने की कोशिश करते हैं, लेकिन बाहर आने पर मुंह पर मास्क और 1 मीटर की दूरी जरुर बना कर रखते हैं।"

"हम्मम.. शायद मैं इसमें मदद कर सकता हूं," बल्लू ने कहा। "वे कोरोनावायरस नहीं देख सकते, लेकिन... वे मुझे देख सकते हैं! आओ चलें, लेकिन मेरे पंखों के दोनों किनारों पर बैठो – वे कम से कम एक मीटर अलग हैं!"

बल्लू ने अपने दोनों पंखों पर सलीम और सारा को बैठाकर आकाश में उड़ान भरी। उसने शहर भर में उड़ान भरी और एक गाना शुरू ही किया था कि इतने में सलीम सड़कों पर कुछ बच्चों को देखकर चिल्लायाः

“जाओ, अपने परिवारों को बताओ कि हम घर के अंदर ही सुरक्षित हैं!” हम घर पर रहकर एक दूसरे का सबसे अच्छा ख्याल रख सकते हैं!”

उन लोगों ने जो ऊपर देखा उससे वे आश्चर्यचकित रह गए। उन्होंने हाथ हिलाया और अपने घरों में जाने को तैयार हो गए।

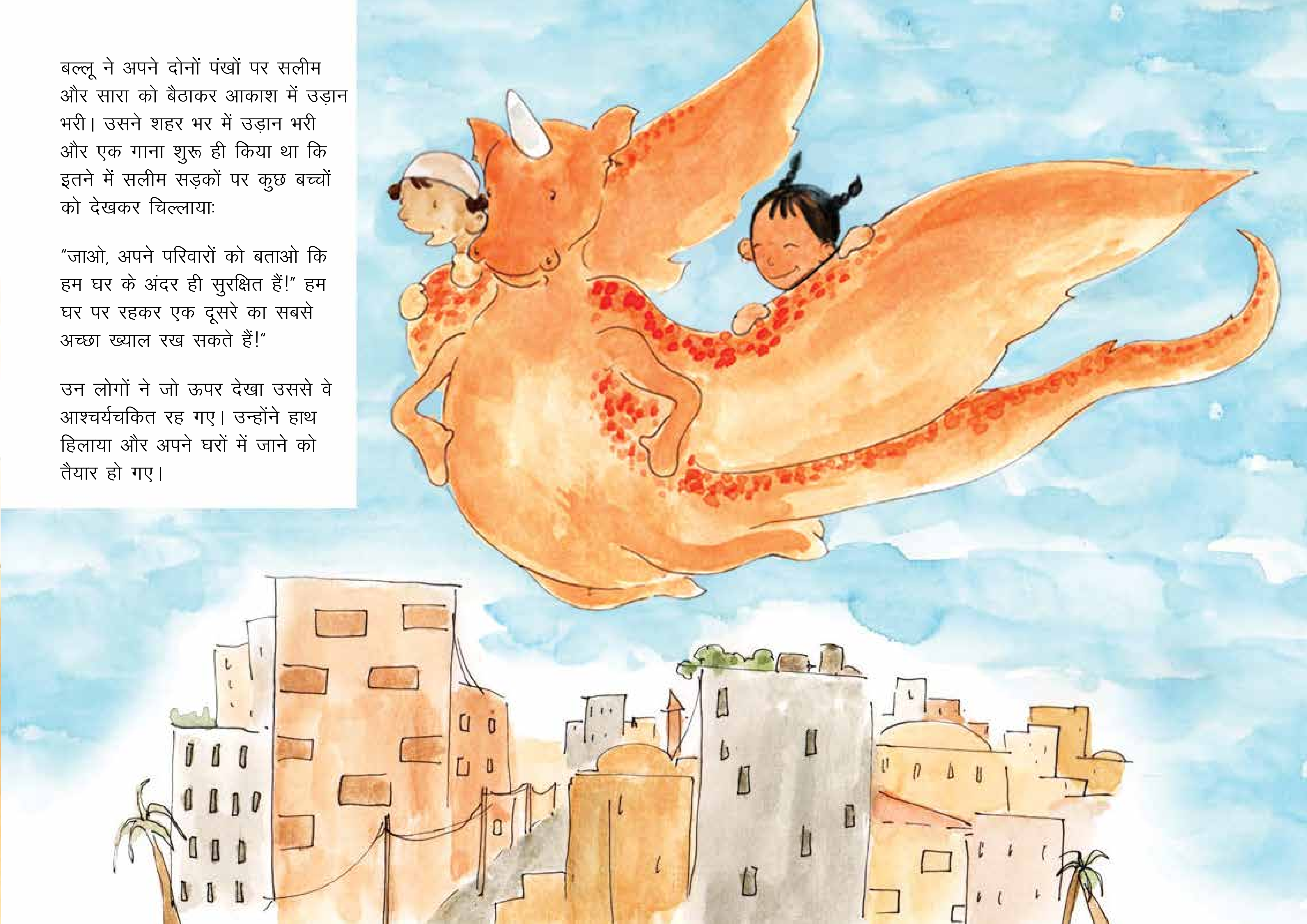

बल्लू आसमान में और ऊंचा होता गया। सलीम खुशी से चिल्ला रहा था। तभी वहां बादलों में एक विमान उड़ता हुआ दिखा, जिसमें बैठे यात्री डरे हुए उनकी ओर देख रहे थे।

सलीम ने कहा, "लोगों को जल्द से जल्द यात्रा बंद करनी होगी।" "पूरी दुनिया भर में सभी देश अपनी सीमाओं को बंद कर रहे हैं, और हम सभी को वहीं रहना चाहिए जहां हम हैं और जिन लोगों से हम प्यार करते हैं।"

सारा ने कहा, "बहुत सी चीजें बदली हुई महसूस होती हैं जैसे सब कुछ बदल रहा है।" "मैं इसके बारे में कभी–कभी सोच कर डर जाती हूं।"

"सारा, हर कोई डरा हुआ महसूस कर सकता है जब चीजें बदल रही हों," बल्लू ने कहा। "जब मुझे डर लगता है, तो मैं बहुत धीरे–धीरे सांस लेता हूं – और सांस से आग निकालता हूं।"

बल्लू ने एक बड़ा आग का गोला उड़ाया!

"जब तुमको डर लगता है तो तुम कैसे उस डर को दूर करते हो?" बल्लू ने उनसे पूछा।

सारा ने कहा, "मैं किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में सोचना पसंद करती हूं जो मुझे सुरक्षित महसूस कराता है,"

"मुझे भी.., मैं उन सभी लोगों के बारे में सोचता हूं जो मुझे अपने दादा–दादी की तरह सुरक्षित महसूस कराते हैं," सलीम ने कहा। "मुझे उनकी याद आती है। मैं उन्हें गले नहीं लगा सकता क्योंकि इससे उन्हें कोरोनावायरस का खतरा हो सकता है। हम आमतौर पर उन्हें हर सप्ताह के अंत में मिलते हैं, लेकिन अभी नहीं क्योंकि हमें उन्हें सुरक्षित रखना है।"

"क्या तुम उन्हें फोन कर पाते हो?" सारा ने अपने नए दोस्त यानि सलीम से पूछा।

"अरे हां!" सलीम ने कहा, "वे मुझे रोज फोन करते हैं और मैं उन्हें उन सब चीजों के बारे में बताता हूं जो हम घर पर कर रहे हैं।" इससे मुझे अच्छा लगता है, और उन्हें भी अच्छा महसूस होता है।"

बल्लू ने कहा, "जिन लोगों से हम प्यार करते हैं उनकी याद आती ही है क्योंकि हम अभी उनसे नहीं मिल सकते।" "ये सब दिखाता है कि हम उनका कितना ध्यान रखते हैं। क्या अभी तुम लोगों को कुछ और हीरो/नायकों से मिलना अच्छा लगेगा?"

"जी बिल्कुल!" सारा और सलीम खुशी से चिल्लाये।

"बहुत अच्छा.. मेरी दोस्त आशा एक बहुत ही विशेष सुपरपावर/महाशक्ति है," बल्लू ने कहा। "चलो उसके पास चलते हैं!"

और वे सब जमींन पर एक छोटे से गांव में उतर गए जहां एक लड़की अपने घर के बाहर फूल तोड़ रही थी। जब उसने बच्चों को बल्लू के पंखों पर बैठे देखा, तो वह हंसी।

"बल्लू!" वह चिल्लाई। "हमें कम से कम एक मीटर दूर रहना होगा, मैं तुम्हें दूर से ही हग करूंगी/गले लगाऊंगी! तुम सब यहां क्या कर रहे हो?

बल्लू ने कहा, "जैसे ही तुमने कहा वैसे ही मैंने तुम्हारा हग करना/गले लगना महसूस किया आशा,"। "मुझे बहुत अच्छा लगता है कि हम ऐसी बातों और शब्दों से एक दूसरे का ध्यान रख पाते हैं और अपना काम भी पूरा कर लेते हैं। मैं चाहता था कि मेरे दोस्त तुम्हारी सुपरपावर/महाशक्ति के बारे में जानें।"

"मेरी सुपरपावर/महाशक्ति क्या है?" आशा ने कहा।

बल्लू ने कहा, "चूंकि तुम्हारे परिवार में कोई बीमार हो गया है, इसलिए तुम घर पर ही रह रही हो, जिससे कि तुमसे कोरोनावायरस किसी और तक न पहुंच जाये।"

आशा ने कहा, "हां, वह मेरे पिताजी हैं, और जब तक वे पूरी तरह से ठीक नहीं हो जाते, तब तक वह अपने बेडरूम में ही रह रहे हैं।"

"लेकिन ये सब इतना बुरा भी नहीं है!" हम खेल खेलते हैं, खाना बनाते हैं, अपने बगीचे में समय बिताते हैं और एक साथ भोजन करते हैं। मेरे भाई और मैं अपने पैर की उंगलियों को छूते हैं और नाचते हैं। हम किताबें पढ़ते हैं और मैं सीखती रहती हूं क्योंकि कभी–कभी मुझे स्कूल की याद आती है। घर में रहना पहले अजीब लगता था, लेकिन अब यह सामान्य लगता है।"

"ये सब हमेशा आसान नहीं है, आशा," बल्लू ने कहा। "तुम घर पर अपने परिवार के साथ मजे करने और पाने के तरीके ढूंढ रही हो। जो तुमको मेरा हीरो बनाता है!"

"क्या तुम कभी अपने परिवार में लड़ती हो?" सलीम ने पूछा।

"हम कभी–कभी लड़ते हैं," आशा ने कहा। "हमें अधिक धैर्य रखना है, और अधिक समझदारी भी, और यहां तक कि मुझे माफ कर दो या सॉरी कहने के लिए भी तैयार रहना है।" यह वास्तव में एक सुपरपावर/महाशक्ति है, क्योंकि यह खुद को और दूसरों को अच्छा महसूस करा सकती है।

मुझे भी थोड़ा समय खुद के लिए चाहिए होता है। मुझे नाच–गाना बहुत पसंद है! और मैं अपने दोस्तों को कभी–कभी फोन कर सकती हूं..."

"लेकिन, बल्लू, उन लोगों का क्या जो घर से दूर हैं या जिनके पास घर नहीं है?" सारा ने पूछा।

बल्लू ने कहा, "यह एक बड़ा सवाल है, सारा"। "चलो चल कर पता लगाते हैं।"

उन्होंने आशा को अलविदा कहा और एक बार फिर बल्लू के ऊपर बैठ गए। जैसे ही वे लोग समुद्र से घिरे एक द्वीप पर उतरे वहां की हवा गर्म हो गई।

वहां उन्होंने लोगों से भरा एक शिविर/कैंप देखा।

एक लड़की ने उन्हें देखा और दूर से हाथ लहराया।

"हेलो बल्लू, मैं तुम्हें फिर से देखकर बहुत खुश हूं!" वह बाहर आयी। "हम कम से कम एक मीटर दूर रहने की कोशिश कर रहे हैं, इसलिए मैं यहां से आपसे बात करूंगी। लेकिन मुझे आपके दोस्तों से मिलना अच्छा लग रहा है! मेरा नाम लीला है।"

"हाय लीला! मैं सारा हूं, और यह सलीम है, "सारा ने कहा। ऐसा लगता है कि तुम कोरोनावायरस से खुद को बचाने की कोशिश कर रही हो। तुम और क्या–क्या कर रही हो?"

"हम अपने हाथ बार–बार साबुन और पानी से 20 सेकंड तक धोते हैं!" लीला ने बताया।

"और खांसी आने पर क्या तुम भी अपनी कोहनी में खांसते हो?" सलीम ने पूछा।

"क्या आप हमें दिखा सकते हैं कि कैसे?" लीला ने पूछा। तो सलीम ने उन्हें करके दिखाया।

"हम सभी बहादुर बनने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन मैं कुछ लोगों के बारे में चिंतित हूं," लीला ने कहा। "क्या मैं तुम लोगों के साथ इसके बारे में बात कर सकती हूं? मैंने सुना कि कोई बीमार हो गया और मर गया और इससे मुझे बहुत डर लगा। क्या यह सही है कि लोग कोरोनावायरस से मर सकते हैं?"

बल्लू ने एक लंबी सांस ली और अपने बड़े पैरों पर बैठ गया।

"हां, छोटे हीरो/नायकों, यह अजीब है," बल्लू ने कहा। "कुछ लोग बिल्कुल भी बीमार महसूस नहीं करते हैं, लेकिन कुछ लोग बहुत बीमार हो सकते हैं और कुछ की मृत्यु हो सकती है। इसलिए हम सभी को विशेष रूप से वृद्ध लोगों के साथ, और अन्य बीमारियों वाले लोगों के लिए सावधान रहना होगा, क्योंकि वे अधिक बीमार पड़ते हैं। कभी–कभी जब हम बहुत डर, या असुरक्षित महसूस कर रहे होते हैं, तो कई बार हमारा दिमाग एक सुरक्षित जगह के बारे में सोचने लगता है। क्या तुम सब मेरे साथ यह कोशिश करना चाहोगे?"

उन सभी ने हां कहा, और तब बल्लू ने बच्चों को अपनी आंखें बंद करने और एक ऐसी जगह के बारे में सोचने को कहा जहां वे सुरक्षित महसूस करें।

बल्लू ने कहा "एक किसी पुरानी बात को सब लोग ध्यान लगा कर सोचें जब आपने सुरक्षित महसूस किया था"।

फिर उसने उनसे पूछा कि क्या देखा, क्या महसूस किया, और क्या उन्हें अपनी उस सुरक्षित जगह की महक मिल पाई? उसने पूछा कि क्या कोई विशेष था जिसे वे अपने उस सुरक्षित स्थान पर ले जाना चाहते हैं और उससे वे आपस में क्या बात करना चाहेंगे।

बल्लू ने कहा, "जब भी आप दुखी या डर महसूस करते हैं, तो आप अपनी सुरक्षित जगह पर जा सकते हैं।" "यह आपकी सुपरपावर है, और आप इसे अपने दोस्तों और परिवार को भी बता सकते हैं। और याद रखें कि मुझे आपकी परवाह है, और बहुत से लोग करते हैं। वे भी मदद करेंगे।"

लीला ने कहा, "हम एक दूसरे की देखभाल कर सकते हैं।"

"बिल्कुल ठीक कहा लीला," बल्लू बोला। "हम एक दूसरे की परवाह कर सकते हैं, चाहे हम कहीं भी हों। क्या तुम हमारे साथ एक जगह चलना चाहोगी लीला?"

लीला ने बल्लू और उसके नए दोस्तों के साथ यात्रा करने का फैसला किया। सारा को खुशी हुई कि लीला उनके साथ थी क्योंकि वह जानती थी कि कभी–कभी हमें एक–दूसरे का सहयोग करने की आवश्यकता होती है। वे बिना शब्दों के चुपचाप उड़ गए, लेकिन एक मीटर की दूरी पर बैठ कर क्योंकि बल्लू के पंख बहुत बड़े थे जिससे इस बात का ध्यान रखा जा सके। लीला को पता था कि उसके नए दोस्त उसके बारे में बहुत परवाह करते हैं।

थोड़ी ही देर के बाद कुछ बर्फीले पहाड़ दिखने लगे और बल्लू एक छोटे शहर में उतर गया। कुछ बच्चे अलग–अलग घरों के अपने कमरों में बैठे थे और खूब जोरों से हंस रहे थे। असल में वे सभी अपने–अपने घरों में रहकर मोबाईल पर बातें कर रहे थे और लूडो खेल रहे थे।

"बल्लू!" उनमें से एक बच्चा अपने कमरे की खिड़की से चिल्लाया, और उसने अपना हाथ लहराया।

"हैलो, थॉमस," बल्लू ने कहा। और अपने ऊपर बैठे बच्चों की ओर मुड़कर बोला "सुनो सब लोग, मैं चाहता था कि तुम सब मेरे दोस्तों से मिलो जिन्हें कोरोनावायरस ने बीमार कर दिया था, और अब वे ठीक हो गए।"

"यह किस तरह हुआ?" सलीम ने थॉमस की ओर देखकर पूछा।

"मुझे खांसी आ रही थी और कभी–कभी बहुत तेज़ बुखार आ रहा था। मैं वास्तव में थका हुआ भी महसूस करता था और कुछ दिनों से खेल भी नहीं पा रहा था," थॉमस ने कहा। "लेकिन मैं हॉस्पिटल में खूब सोया और मेरे परिवार ने मेरा ख्याल भी रखा। मेरे माता–पिता और दादा–दादी को भी जांच के लिए अस्पताल जाना पड़ा। वहां पर नर्स और डॉक्टर का व्यवहार बहुत अच्छा था, और जब मैं ठीक होकर घर वापस आया तो हमारे पड़ोस के लोगों ने भी हमारी हर तरह से मदद की। कुछ हफ्तों के बाद, ठीक हो गया।"

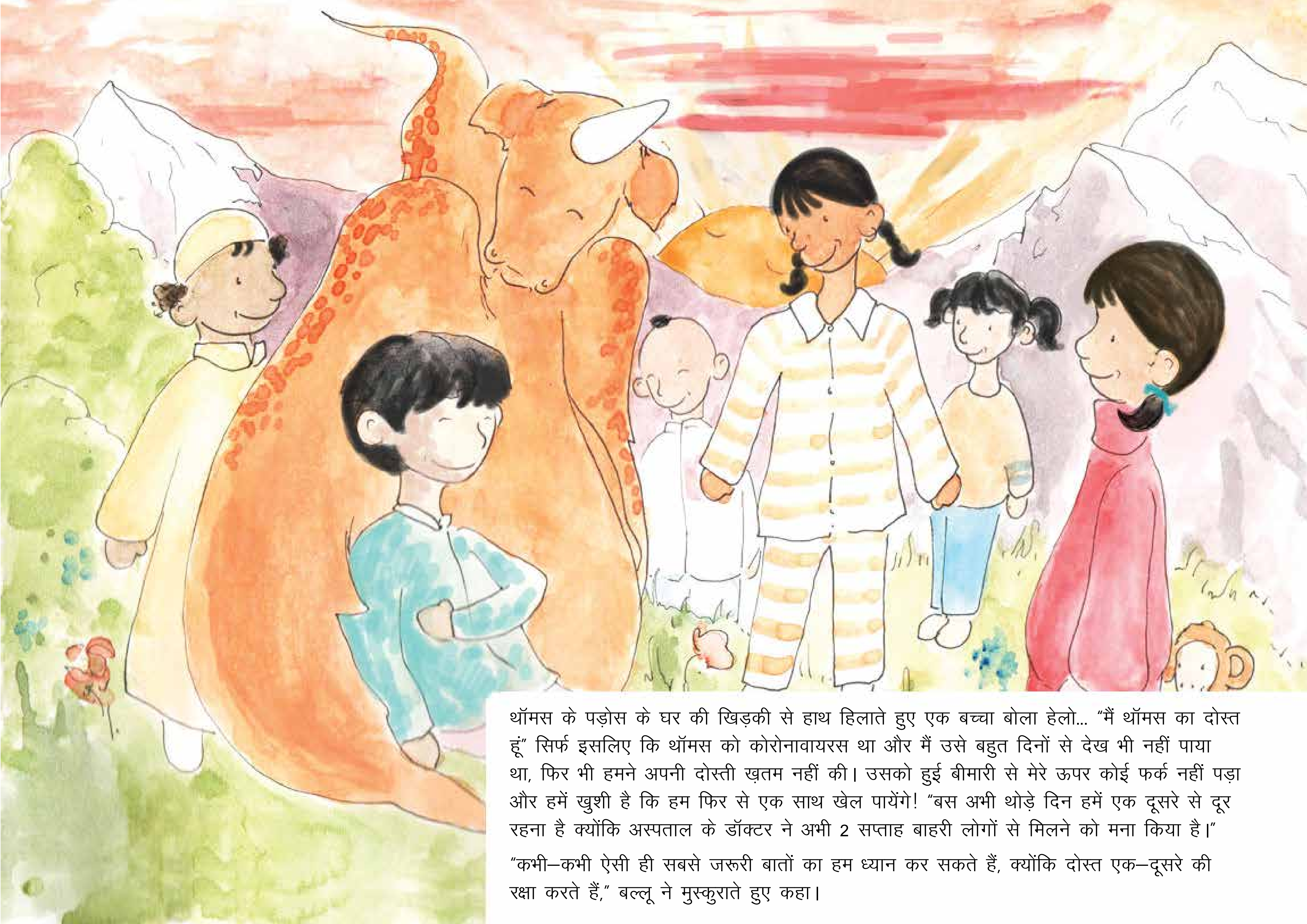

थॉमस के पड़ोस के घर की खिड़की से हाथ हिलाते हुए एक बच्चा बोला हेलो... "मैं थॉमस का दोस्त हूं" सिर्फ इसलिए कि थॉमस को कोरोनावायरस था और मैं उसे बहुत दिनों से देख भी नहीं पाया था, फिर भी हमने अपनी दोस्ती ख़तम नहीं की। उसको हुई बीमारी से मेरे ऊपर कोई फर्क नहीं पड़ा और हमें खुशी है कि हम फिर से एक साथ खेल पायेंगे! "बस अभी थोड़े दिन हमें एक दूसरे से दूर रहना है क्योंकि अस्पताल के डॉक्टर ने अभी 2 सप्ताह बाहरी लोगों से मिलने को मना किया है।"

"कभी–कभी ऐसी ही सबसे जरूरी बातों का हम ध्यान कर सकते हैं, क्योंकि दोस्त एक–दूसरे की रक्षा करते हैं," बल्लू ने मुस्कुराते हुए कहा।

लीला खुश होते हुए बोली, "हम यह सब कुछ एक–दूसरे के लिए कर सकते हैं।"

"और एक दिन, हम सभी फिर से खेल सकेंगे और वापस स्कूल जा सकेंगे जैसे हम करते थे," सलीम नाचते हुए बोला।

अब घर जाने और सारा को अपने नए दोस्तों को अलविदा कहने का समय था। उन्होंने एक–दूसरे से वादा किया कि वे इस यात्रा को और बच्चों के अपने इन बहादुरी वाले कामों को कभी नहीं भूलेंगे।

सारा दुखी हो गई कि अब वे सब एक दूसरे को कुछ समय के लिए नहीं देख पायेंगे। लेकिन उसे अच्छा लगा जब उसे याद आया कि थॉमस के दोस्त ने क्या कहा था। उसने कहा था कि आप लोगों को नहीं देख पा रहे हैं तो इसका मतलब ये नहीं है कि आपने उन्हें प्यार करना बंद कर दिया है।

बल्लू ने तीनो बच्चों को उनके घरों में वापस छोड़ दिया, और सारा के घर से जाने से पहले उसके सो जाने का इंतजार किया।

“क्या हम कल भी ऐसा ही कर सकते हैं?” सारा ने बल्लू से पूछा।

“नहीं सारा, अब तुम्हारा अपने परिवार के साथ रहने का समय है,” बल्लू ने प्यार से उसकी तरफ देखते हुए कहा। “हमारी कहानी याद रखो। हम अपने हाथों को साबुन से धोकर और घर पर रहकर उन लोगों को सुरक्षित रख सकते हैं जिन्हें हम प्यार करते हैं। मैं कभी भी दूर नहीं हूं। जब भी तुम अपनी सुरक्षित जगह के बारे में सोचोगी तो हमेशा मुझे अपने साथ पाओगी।”

“तुम मेरे हीरो हो,” सारा ने बल्लू की तरफ मुस्कुराते हुए देखकर बोला।

“तुम भी मेरी हीरो हो, सारा को बल्लू ने बोला। तुम उन सभी के लिए हीरो हो जो तुमसे प्यार करते हैं।

सारा सो गई और जब वह अगले दिन सुबह उठी, तो बल्लू चला गया था। इसलिए वह उससे बात करने के लिए अपने सुरक्षित स्थान पर गई, फिर उसने अपने इस बहादुरी वाले काम पर जो कुछ भी देखा और सीखा, वह सब कुछ उसने अपनी ड्राइंग बुक में बनाया। अब सारा उस खबर को बताने के लिए अपनी ड्राइंग बुक के साथ अपनी मम्मी के पास गई।

''हम सभी लोगों को सुरक्षित रहने में मदद कर सकते हैं, मां,'' उसने कहा। "मैंने कल रात एक बहुत बहादुरी वाला काम किया और उसे इन चित्रों में बनाया जिसमे मैं इतने सारे हीरो से मिली!"

"बहुत अच्छा सारा!" उसकी मां ने अचंभित होते हुए कहा। "चिकित्सकों और नर्सों की तरह कोरोनावायरस से लोगों को बचाने वाले कई हीरो हैं। लेकिन तुमने मुझे याद दिलाया कि हर दिन हम सभी हीरो हो सकते हैं, और मेरी सबसे बड़ी हीरो तुम हो।"....